D.ed. — 19-21

classmate
Date ______
Page ______

मूल्यांकन

पठन का तृतीय सोपान मूल्यांकन से संबंधित है। इसमें छात्रों द्वारा किसी विषयवस्तु के भाव को समझने के पश्चात मूल्यांकन किया जाता है उस पर अपने विचार व्यक्त किये जाते हैं। किसी गद्यांश या पद्यांश के पठन के पश्चात् छात्रों के मुख से अनायास ही निकल पड़ता है कि कितनी सुंदर भाषा शैली है एवं क्या अलंकारिक भाषा है,। इस प्रकार के वाक्य या शब्द मूल्यांकन की प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप ही निकलते हैं। इसके अंतर्गत पाठक द्वारा निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किये जाते हैं अर्थात मूल्यांकन के संदर्भ में निम्नलिखित क्रियाएँ की जाती है ________

पाठ्यक्रम के रूचिपूर्ण एवं उपयोगी लगने पर छात्र द्वारा उसको बार-बार पठन के लिये प्रेरित होना।

पाठ्यवस्तु से आत्मानंद की अनुभूति होने पर या पाठक द्वारा कविता या गद्य के विषय में चर्चा या परिचर्चा करना तथा शिक्षक से उसके संदर्भ में विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछना इत्यादि।

Scanned with CamScanner

classmate
Date
Page

* पठन के पश्चात् गद्यांश — पद्यांश के बारे में छात्रों से उसकी उपयोगिता की चर्चा करना तथा अन्य छात्रों को उस कविता या गद्य के लिए प्रेरित करना।

* पाठक द्वारा सोपान में पाठ्यवस्तु का मूल्यांकन अलंकारिक प्रयोग, शब्द शक्ति के प्रयोग, मुहावरे एवं लोकोक्तियों के आधार पर किया जाता है। उपर्युक्त विवेचन से यह स्पष्ट हो जाता है कि इस सोपान में छात्रों में मूल्यांकन करने की योग्यता का विकास संभव हो जाता है।

S. Kumar

Scanned with CamScanner